देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

इंदौर, 13 सितम्बर 2025| छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसी महान हस्तियों के किरदार निभा चुके जाने-माने अभिनेता श्री सचिन खेडेकर और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित, फिल्म एवं रंगमंच निर्देशक श्री चंद्रकांत कुलकर्णी ने आज ई. एम. आर. सी., देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए अपने विचार साझा किए।

श्री सचिन खेडेकर ने बताया कि कैसे रंगमंच एक कलाकार के व्यक्तित्व को पूरी तरह से विकसित करने में सहायता करता है। उन्होंने कहा कि मैं कई सालों बाद रंगमंच पर फिर से कदम रख रहा हु क्योंकि रंगमंच मुझे खुद को तराशने का अवसर देता है | साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि जब लोग मुझे "अरे ये तो सिंघम वाला गोटिया है" और कुछ लोग मुझे सुभाष चंद्र बोस के रूप में सम्मान देते हुए कहते है कि "आपने नेताजी के किरदार को बखूबी निभाया है"| यहीं बातें एक कलाकार को ऊर्जा से भर देती है और अच्छे काम के लिए प्रेरित करती है | उन्होंने आज के दौर की विडंबना को बताते हुए कहा कि एआई (AI) के नाम में ही 'आर्टिफिशियल' है और आज भी कंटेंट को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है।

आर्ट और कमर्शियल फिल्मों के अंतर को बताते हुए उन्होंने कहा कि एक अच्छे कलाकार को दोनों में काम करने में सक्षम होना चाहिए। एक कलाकार को विश्वसनीय होना चाहिए और स्थिति के अनुसार खुद को उस किरदार में ढालना आना चाहिए।

इन्हीं बातों पर ज़ोर देते हुए चंद्रकांत कुलकर्णी जी ने भी सभी छात्रों को यह संदेश दिया कि मीडिया क्षेत्र में एक सच्चे कलाकार को हमेशा निरंतरता बनाए रखनी चाहिए।

विद्यार्थियों ने उनसे उनके अब तक के अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रोफेसर रजनीश जैन भूतपूर्व सचिव, UGC भी उपस्थित थे| मंच संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. चंदन गुप्ता ने किया।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी